



निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम

DEPOSIT INSURANCE AND CREDIT GUARANTEE CORPORATION

(भारतीय रिज़र्व बैंक के संपूर्ण स्वामित्व वाली सहयोगी) Wholly owned subsidiary of the Reserve Bank of India



वेबसाइट : <https://dicgc.org.in/hindi/>

Website: www.dicgc.org.in

ई-मेल/email : dicgc@rbi.org.in

14 अक्टूबर 2026

डीआईसीजीसी वार्षिक रिपोर्ट 2025-26

निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) ने [वार्षिक रिपोर्ट 2025-26](#) जारी की। शुरुआत से अब तक जमा बीमा में आए कुछ प्रमुख रुझानों को दर्शाने वाले चार्ट को शामिल कर 'हाइलाइट्स' खंड को नया रूप दिया गया है। वर्ष 2025-26 के दौरान जमा बीमा योजना के मूल्यांकन और 2026-27 की संभावनाओं को प्रस्तुत करने के लिए अध्याय 1 का पुनर्गठन किया गया है। अध्याय 2 'प्रबंधकीय चर्चा और विश्लेषण' में वर्ष के दौरान बोर्ड स्तर की प्रमुख गतिविधियों और नीतिगत विशेषताओं को रेखांकित किया गया है। अध्याय 3 'जमा बीमा में वैश्विक गतिविधियां' वैश्विक जमा बीमा में उभरते रुझानों और चुनौतियों पर प्रकाश डालता है। अध्याय 4 से 6 डीआईसीजीसी अधिनियम, 1961 की धारा 32(1) के अनुसार तैयार की गई वैधानिक रिपोर्टें हैं। अध्याय 4 वर्ष के दौरान निगम की कार्यपद्धति के संबंध में निदेशक मंडल की रिपोर्ट है। अध्याय 5 और 6 क्रमशः 'लेखापरीक्षक की स्वतंत्र रिपोर्ट' और 'तुलन पत्र और खातों के बारे में टिप्पणियों' से संबंधित हैं। इस रिपोर्ट में कुछ प्रासंगिक विषयों की भी आलोचनात्मक जांच की गई है, जैसे 'जोखिम-आधारित प्रीमियम (आरबीपी) फ्रेमवर्क का कार्यान्वयन (बॉक्स 2.1)', 'डीआईसीजीसी के पोर्टफोलियो के दबाव परीक्षण पर कार्यदल (बॉक्स 2.2)', और 'कारोबार निरंतरता योजना (बीसीपी) और आपदा बहाली (डीआर) फ्रेमवर्क' (बॉक्स 2.3)।

मुख्य बिंदु

- वर्ष 2025-26 के दौरान तीन प्रमुख गतिविधियां रहीं: 1 अप्रैल 2026 से जोखिम आधारित प्रीमियम फ्रेमवर्क लागू करने का निर्णय, जो एक समान दर (फ्लैट रेट) से जोखिम-संवेदनशील मूल्य निर्धारण की ओर बदलाव को चिह्नित करता है; प्रीमियम संग्रह का एक संपूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म (सम्यक नामक) पर माइग्रेशन; और जमाकर्ता जागरूकता तथा संचार का पर्याप्त विस्तार।



निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम

DEPOSIT INSURANCE AND CREDIT GUARANTEE CORPORATION

(भारतीय रिज़र्व बैंक के संपूर्ण स्वामित्व वाली सहयोगी) Wholly owned subsidiary of the Reserve Bank of India



वेबसाइट : <https://dicgc.org.in/hindi/>

Website: www.dicgc.org.in

ई-मेल/email : dicgc@rbi.org.in

- वर्ष के दौरान डीआईसीजीसी बोर्ड द्वारा अपनाए गए कुछ नीतिगत उपायों में कॉर्पोरेट अभिशासन नीति, 2026 का अनुमोदन; “उन्नति” (2025-2027) शीर्षक मध्यावधि कार्य योजना तैयार करना; निर्धारणीय जमा राशि और उस पर दिए गए प्रीमियम की सटीक रिपोर्टिंग के लिए निगरानी प्रणाली को औपचारिक रूप देने हेतु एक मास्टर निदेश जारी करना; तथा व्यापक और कार्यप्रणाली के लिहाज से सुदृढ़ कारोबार निरंतरता योजना फ्रेमवर्क, 2026 की स्वीकृति शामिल है।
- 31 मार्च 2026 की स्थिति के अनुसार, डीआईसीजीसी के साथ पंजीकृत बीमित बैंकों की संख्या 1,950 थी, जिनमें 124 वाणिज्यिक बैंक और 1,826 सहकारी बैंक शामिल थे। वर्ष के दौरान, 11 बैंक (11 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक) पंजीकृत किए गए, जबकि 43 बैंकों (26 क्षेत्रीय ग्रामीण और 17 शहरी सहकारी बैंक) का पंजीकरण रद्द किया गया।
- मार्च 2026 के अंत में पूर्णतः संरक्षित खातों की संख्या 293.5 करोड़ थी (अर्थात् ₹5 लाख तक की जमा राशि वाले खाते), जो कुल खातों की संख्या का 97.4 प्रतिशत है। बीमित जमाराशियों का मूल्य ₹1,09,33,948 करोड़ था, जो ₹2,75,43,642 करोड़ की निर्धारणीय जमाराशियों का 39.7 प्रतिशत था।
- 2025-26 के दौरान निगम द्वारा प्राप्त कुल प्रीमियम ₹29,947 करोड़ रहा, जिसमें वाणिज्यिक बैंकों का योगदान 95 प्रतिशत और सहकारी बैंकों का योगदान शेष 5 प्रतिशत रहा। 31 मार्च 2026 तक निक्षेप बीमा निधि (डीआईएफ) ₹2,61,823 करोड़ थी, जिससे 2.39 प्रतिशत का आरक्षित अनुपात (अर्थात् बीमित जमाराशियों पर डीआईएफ का अनुपात) रहा।
- निगम ने वर्ष 2025-26 के दौरान परिसमाप्त बैंकों, विलयित इकाई बैंकों और सर्व-समावेशी निदेशों (एआईडी) के तहत रखे गए बैंकों के बीमाकृत जमाकर्ताओं के ₹1,988 करोड़ के दावों का निपटान किया। वर्ष के दौरान निगम को कुल ₹1,109 करोड़ का पुनर्भुगतान प्राप्त हुआ।

एन. अरूण विष्णु कुमार
निदेशक

प्रेस विज्ञप्ति: 2026-2027/16



निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम

DEPOSIT INSURANCE AND CREDIT GUARANTEE CORPORATION

(भारतीय रिज़र्व बैंक के संपूर्ण स्वामित्व वाली सहयोगी) Wholly owned subsidiary of the Reserve Bank of India



वेबसाइट : <https://dicgc.org.in/hindi/>

Website: www.dicgc.org.in

ई-मेल/email : dicgc@rbi.org.in

October 14, 2026

DICGC Annual Report 2025-26

The Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation (DICGC) released the [Annual Report 2025-26](#). The Highlights section has been redesigned by adding Charts depicting some of the major trends in deposit insurance since inception. Chapter 1 has been restructured to present an assessment of the deposit insurance scheme during 2025-26 and the prospects for 2026-27. Chapter 2 on 'Management Discussion and Analysis' outlines the major board level developments and policy highlights during the year. Chapter 3 on 'Global Developments in Deposit Insurance' highlights the emerging trends and challenges in global deposit insurance. Chapters 4 to 6 are statutory reports prepared as per Section 32(1) of the DICGC Act, 1961. Chapter 4 is the Board of Directors' Report on the working of the Corporation during the year. Chapters 5 and 6 pertain to the 'Independent Auditors' Report' and 'Balance Sheet and Note to Accounts', respectively. The Report critically examines some contextual topics namely 'Implementation of the Risk Based Premium (RBP) Framework (Box 2.1)', 'Working Group on Stress Testing of DICGC's Portfolio (Box 2.2), and 'Business Continuity Plan (BCP) and Disaster Recovery (DR) Framework' (Box 2.3).

Highlights

- Three major developments during 2025-26 are – decision to implement a Risk Based Premium Framework with effect from April 1, 2026, marking the transition from flat-rate to risk-sensitive pricing; the migration of premium collection to an end-to-end digital platform (named SAMYAK); and a substantial expansion of depositor awareness and communication.
- Some of the policy measures adopted by the DICGC Board during the year include approval of the Corporate Governance Policy, 2026; formulation of a Medium-Term



निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम

DEPOSIT INSURANCE AND CREDIT GUARANTEE CORPORATION

(भारतीय रिज़र्व बैंक के संपूर्ण स्वामित्व वाली सहयोगी) Wholly owned subsidiary of the Reserve Bank of India



वेबसाइट : <https://dicgc.org.in/hindi/>

Website: www.dicgc.org.in

ई-मेल/email : dicgc@rbi.org.in

Action Plan titled “UNNATI” (2025–2027); issue of a Master Direction to formalise the oversight framework for accurate reporting of assessable deposits and of the premium paid thereon; and approval of a comprehensive and operationally robust Business Continuity Plan Framework, 2026.

- The number of insured banks registered with the DICGC was 1,950 as on March 31, 2026 comprising 124 commercial banks and 1,826 Co-operative Banks. During the year, 11 banks (11 Regional Rural Banks) were registered, while 43 banks were deregistered (26 RRBs and 17 UCBs).
- The number of fully protected accounts were 293.5 crore (i.e., accounts with deposit balance up to ₹5 lakh) at end-March 2026 constituting 97.4 per cent of the total number of accounts. The value of insured deposits at ₹1,09,33,948 crore constituted 39.7 per cent of assessable deposits of ₹2,75,43,642 crore.
- The total premium received by the Corporation during 2025-26 stood at ₹29,947 crore, with commercial banks contributing 95 per cent and co-operative banks accounting for the remaining 5 per cent. The Deposit Insurance Fund (DIF) was ₹2,61,823 crore as on March 31, 2026, yielding a Reserve Ratio (i.e., ratio of DIF to Insured Deposits) of 2.39 per cent.
- The Corporation settled claims amounting to ₹1,988 crore to insured depositors of liquidated banks, merged entity banks and those placed under All-Inclusive Direction (AID) during 2025-26. The total repayment received was ₹1,109 crore during the year.

N . Arun Vishnu Kumar
Director

Press Release: 2026-2027/16